रजिस्ट्री सं. डी. (डी.एन.)-127 REGISTERED NO. D. (D.N.) 127

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 517] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 17, 1991/भाद्र 26, 1913
No. 517] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 17, 1991/BHADRA 26, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1991

का.आ. 603 (अ) :—यतः केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि नीचे अनुसूची में वर्णित क्षेत्रों में ऐसी अशांत और खतरनाक स्थिति हो गई है कि नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सशस्त्र बलों का इस्तेमाल करना आवश्यक हो गया है;

अतः, अब, सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 (1958 का 28) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त संपूर्ण क्षेत्र को अशांत क्षेत्र घोषित करती है।

अनुसूची

(1) अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड और मेघालय राज्यों की असम राज्य के साथ लगी सीमा की 20 कि.मी. चौड़ी पट्टी,

(2) अरुणाचल प्रदेश के तिरप तथा चांगलांग जिले,

(3) नागालैण्ड का मोन जिला।

[फा.सं. 11011/111/90–एन.ई.-4]
विनय शंकर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th September, 1991

S.O. 603 (E).—Whereas the Central Government is of the opinion that the areas described in the schedule herebelow are in such a disturbed and dangerous condition that the use of armed forces in aid of the civil power is necessary ·

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Armed Forces (Special Powers) Act, 1958 (28 of 1958), the Central Government hereby declares the whole of the said areas to be a disturbed area.

SCHEDULE

(i) A 20 Kilometre wide belt in the States of Arunachal Pradesh, Nagaland and Meghalaya along their borders with the State of Assam.

(ii) Tirap and Changlang districts of Arunachal Pradesh.

(iii) Mon district of Nagaland.

[F. No. 11011|111|90-NE. IV]
VINAY SHANKAR, Jt. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1991